भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर 452001
ICAR-National Soybean Research, Institute, Khandwa Road, Indore-452001

सोया कृषकों के लिए सलाह
Advisory for Soybean Farmers

फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साईट : https://iisrindore.icar.gov.in
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in/ dsrdirector@gmail.com

YouTube लिंक: YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
फेसबुक: https://www.facebook.com/icar.nsri/
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजानिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा हैं। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.

फ़ाइल् क्रमांक: टेक 10-6/2025 **दिनांक: 08.09.2025**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (8-14 सितम्बर 2025 / 8th-14th September 2025)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में कृषकों द्वारा लगाईं गई शीघ्र समयावधि वाली किस्में अब परिपक्वता की ओर अग्रेसर हैं जबकि मध्यम या देरी से पक्केवाली किस्मों में दाने भरने की स्थिति हैं. अतः सोया कृषकों को निम्न उपाय अपनाने की सलाह हैं. The short duration soybean varieties mostly grown in Malwa region of Madhya Pradesh are nearing the maturity/harvesting stage whereas medium/long duration varieties is at grain filling stage at this time. The soybean growers are therefore advised to adopt following measures.

अ A. सामान्य सलाह General Advice

1.	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. Harvest the early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
2.	जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही हैं, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए. It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation.	
3.	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.	

	Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to affect in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.
4.	वर्तमान में देखि जा रही अतिवर्षा की स्थिति को ध्यान में रखकर सलाह हैं की फसल पर देखे जा रहे/आने वाले समय में फफूंदजनित रोगों के नियंत्रण हेतु सुरक्षात्मक रूप से अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्रा/हे) का छिडकाव करें. यह भी विशेष सलाह हैं कि छिडकाव के लिए क्रेप्सैक स्प्रेयर से प्रति हेक्टेयर 500लीटर पानी तथा ट्रेक्टर चालित पॉवर स्प्रेयर से न्यूनतम 200 ली. पानी का उपयोग करें. Farmers are advised to apply preventive spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) considering the continuous rains experienced in some area. However, they are requested to use adequate quantity of water for spray solution i.e. 500 l/ha for knapsack sprayer and minimum of 200 l/ha in case of tractor drawn power sprayers.
5.	बीजोत्पादन वाले खेत में प्रोफेनोफोस (1 लीटर/हे.) जैसे अनुशंसित कीटनाशक का छिडकाव करें इससे भण्डारगृह में नुकसान करने वाले कीट स्टिंक बग, आलमंड मोथ या पल्स बीटल जैसे कीटों से सुरक्षित किया जा सकेगा. In order to ensure safety of soybean seed from storage pests (stink bug, almond moth and pulse beetle), it is advised to spray the crop with profenophos (1l/ha)
6.	लाल मकड़ी के नियंत्रण हेतु माइटीसाइड (ओमाईट) का छिडकाव करें. Use of miticide is advised for control of mites.

<u>ब. कीट एवं रोग नियंत्रण हेतु सलाह</u>

1.	आवश्यकतानुसार **तम्बाकू की इल्ली** के नियंत्रण करें. इसके लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिडकाव करें : क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) **या** स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), **या** फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) **या** इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), **या** क्लोरफ्लूआजुरोन % 05.40EC (500 मिली./हे) **या** नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे),) का छिडकाव करें.	
	Application of need based spray for the control of **Tobacco caterpillar** (*Spodoptera litura*). Farmers may select any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) **OR** Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), **OR** Chlorfluazuron 05.40% EC (500 ml/he) **OR** Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha).	
2.	फली छेदक इल्ली (पोड बोरर) द्वारा फलियों में होने वाले नुकसान कम करने तथा आवश्यकतानुसार चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) **या** इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे)., **या** ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), **या** फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) **या** क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150मि.ली./हे), **या** नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(825-875 मि.ली/.हे).	

	In order to minimize damage caused due to pod borers farmers are advised to apply need based spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha). **OR** Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) **OR** Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) **OR** Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).	
3.	**आवश्यकतानुसार सेमीलूपर इल्ली** के नियंत्रण हेतु क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150मि.ली./हे), **या** इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), **या** ब्रोफ्लानिलाइड 300एस.सी . 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्रा/हे.) **या** फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) **या** लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) **या** प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) **या** क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिडकाव करें.	
	For the control of Semilooper, if needed, farmers are advised to apply the spray of Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) **OR** Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) **OR** Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) **OR** Profenofos 50 % EC (1 l/ha) **OR** Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).	
4.	पत्ती खाने वाली तीनों इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) के एक साथ नियंत्रण हेतु **स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450** मिली/हे) या **क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी** (150 मिली/हे) या पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 **मिली/हे**) का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of all the three defoliators (green semilooper, tobacoo caterpillar and heliothis), it is advised to spray the crop with either one of the insecticides like Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) **OR** Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) **OR** pre mixed formulation of Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).	
5.	**पीला मोज़ेक रोग (Yellow Mosaic Disease):** प्रारंभिक अवस्था में ही इसके लक्षण दिखने पर रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फ़ैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी की रोकथाम हेतु फ्लोनीकेमिड 50% WG (200 ग्रा/हे) या थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिडकाव करें. **इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है** .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.	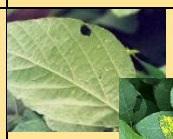
	Yellow Mosaic Disease: For control of YMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray of either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). **This will also facilitate control of stem fly.** Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vectors of YMV respectively.	

6.	**एन्थ्राक्नोज रोग:** जैसा की चित्र में दिखाया गया हैं, इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर ही नियंत्रण हेतु टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाझोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिडकाव करें. **Anthracnose:** For control of anthracnose disease farmers are advised to apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.	 **एन्थ्राक्नोज** के लक्षण
7.	**रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट:** इस रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह हैं कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्रा/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन इपोक्कोसीकोनाजोल + (750 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) का अपने फसल पर छिडकाव करें.	
	Rhizoctonia Aerial Blight: Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) OR Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.	

अन्य महत्वपूर्ण सलाह Other important Advice

1.	फफूंदजनित रोगों के नियंत्रण हेतु सुरक्षात्मक रूप से अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्रा/हे) का छिडकाव करें. यह भी विशेष सलाह हैं कि छिडकाव के लिए क्रेप्सैक स्प्रेयर से प्रति हेक्टेयर 500लीटर पानी तथा ट्रेक्टर चालित पॉवर स्प्रेयर से न्यूनतम 200 ली. पानी का उपयोग करें. Farmers are advised to apply spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) considering the prevailing dry spell or continuous rains experienced in some area. However, they are requested to use adequate quantity of water for spray solution ie. 500 l/ha for knapsack sprayer and minimum of 200 l/ha in case of tractor drawn power sprayers.	
2.	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
3.	सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.	
4.	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिडकाव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रयेर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पॉवर स्प्रेयर से 125-200 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 125-200 l/ha for power sprayer).	
5.	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित सूचि में शामिल नहीं, का उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	

6.	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फ़सल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-NSRI. This may cause damage/losses to the crop.
7.	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु *बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस* अथवा *ब्युवेरिया बेसिआना* या *नोमुरिया रिलेयी* (1.0ली/.हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use *Bacillus thuringiensis* or *Beauveria bassiana or Nomuriya rileyi* @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).

****